The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 4 | Issue 1 | January 2026
ISSN: 2583-973X (Online), SJIF IF: 5.6
Website: www.theacademic.in

माध्यमिक स्तर के विविध संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन

अमिता विश्वकर्मा

शोधार्थी, बायलसी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज जलालपुर,जौनपुर

संबद्ध : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.18713773

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Accepted: 28-01-2026

Published: 10-02-2026

Keywords:

माध्यमिक स्तर, संवेगात्मक बुद्धि ,अधिगम शैली।

ABSTRACT

इस अध्याय में माध्यमिक स्तर के विविध संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की अधिगम शैली की वरीयता का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। अध्ययन हेतु जौनपुर जनपद के 482 विद्यार्थियों का नमूना चयनित किया गया। संवेगात्मक बुद्धि के मापन के लिए डॉ. अरुण कुमार सिंह एवं डॉ. श्रुति नारायण की मापनी तथा अधिगम शैली के लिए डॉ. के. एस. मिश्रा द्वारा निर्मित सूची का प्रयोग किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि उच्च, औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर विद्यमान है; अर्थात् संवेगात्मक बुद्धि के स्तर के अनुसार अधिगम शैली भी भिन्न पाई जाती है।

भूमिका (Introduction)

शिक्षा केवल ज्ञानार्जन की प्रक्रिया नहीं, अपितु व्यक्तित्व के बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक एवं नैतिक विकास का समग्र माध्यम है। प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की क्षमता एवं पद्धति भिन्न होती है, इसलिए एक समान शिक्षण विधि सभी पर समान रूप से प्रभावी नहीं होती। इस विविधता के मूल में संवेगात्मक बुद्धि तथा अधिगम शैली की महत्वपूर्ण भूमिका होती

है। **संवेगात्मक बुद्धि** से आशय व्यक्ति की अपनी तथा दूसरों की भावनाओं को पहचानने, नियंत्रित करने और सकारात्मक रूप से उपयोग करने की क्षमता से है, जिसमें आत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण, प्रेरणा, सहानुभूति एवं सामाजिक कौशल जैसे घटक सम्मिलित हैं। भावनात्मक रूप से संतुलित विद्यार्थी अध्ययन में अधिक एकाग्र, प्रेरित और सहयोगी होते हैं। **अधिगम शैली** वह विशिष्ट तरीका है जिसके माध्यम से विद्यार्थी ज्ञान अर्जित करते हैं—जैसे दृश्य, श्रवण या क्रियात्मक माध्यम। विशेषतः माध्यमिक स्तर पर, जहाँ किशोरावस्था के कारण भावनात्मक एवं संज्ञानात्मक परिवर्तन तीव्र होते हैं, संवेगात्मक बुद्धि और अधिगम शैली दोनों ही शैक्षणिक प्रदर्शन को गहराई से प्रभावित करते हैं।

अध्ययन की उपयोगिता (Adhyayan ki Upyogita)

"माध्यमिक स्तर के विविध संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की अधिगम शैली की वरीयता" विषयक अध्ययन महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह विद्यार्थियों के सीखने के तरीकों को समझने का वैज्ञानिक आधार प्रदान करता है। इससे शिक्षकों को विभिन्न संवेगात्मक स्तरों के अनुरूप उपयुक्त शिक्षण विधियाँ अपनाने में सहायता मिलती है, जिससे शिक्षण अधिक प्रभावी एवं रोचक बन सकता है। यह अध्ययन विद्यार्थियों को अपनी अधिगम शैली एवं भावनात्मक क्षमताओं के प्रति जागरूक करता है तथा अभिभावकों को सहयोगात्मक वातावरण प्रदान करने की दिशा देता है। साथ ही, इसके निष्कर्ष शिक्षा-नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं के लिए विद्यार्थी-केंद्रित एवं लचीली शिक्षा व्यवस्था विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

अध्ययन का उद्देश्य-

1. माध्यमिक स्तर के यूपी बोर्ड/ सीबीएसई बोर्ड, ग्रामीण /शहरी, छात्र/ छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर के उच्च,औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच सक्रिय पुनरुत्पादन अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक स्तर की उच्च,औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच सक्रिय रचनात्मक अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना।

4. माध्यमिक स्तर के उच्च,औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच आकृतिक पुनरुत्पादन अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना।

5. माध्यमिक स्तर के उच्च,औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच आकृतिक रचनात्मक अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना।

6. माध्यमिक स्तर के उच्च,औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच मौखिक पुनरउत्पादन अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना।

7. माध्यमिक स्तर के उच्च,औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच मौखिक रचनात्मक अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना।

परिकल्पना -

1. माध्यमिक स्तर के यूपी बोर्ड/सीबीएसई बोर्ड, ग्रामीण/शहरी,छात्र/छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

2. माध्यमिक स्तर के उच्च,औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच सक्रिय पुनरुत्पादन अधिगम शैली की वरीयता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

3. माध्यमिक स्तर के उच्च,औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच सक्रिय रचनात्मक अधिगम शैली की वरीयता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

4. माध्यमिक स्तर के उच्च,औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच आकृतिक पुनरुत्पादन अधिगम शैली की वरीयता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

5. माध्यमिक स्तर के उच्च,औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच आकृतिक रचनात्मक अधिगम शैली के वरीयता में कोई सार्थक अंतर नहीं है

6. माध्यमिक स्तर के उच्च,औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच मौखिक पुनरुत्पादन अधिगम शैली की वरीयता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

7. माध्यमिक स्तर के उच्च,औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच मौखिक रचनात्मक अधिगम शैली की वरीयता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

डेविड ए. कोल्ब ने 1984 में अनुभवात्मक अधिगम सिद्धांत (Experiential Learning Theory) प्रस्तुत किया, जो लेविन, ड्यूई और पियाजे के विचारों से प्रेरित है। यह सिद्धांत अधिगम को एक चक्रीय प्रक्रिया के रूप में देखता है, जिसमें चार चरण सम्मिलित हैं—ठोस अनुभव, चिंतनशील अवलोकन, अमूर्त अवधारणा निर्माण तथा सक्रिय प्रयोग। प्रभावी अधिगम तब संभव होता है जब शिक्षार्थी इन सभी चरणों से क्रमशः गुजरता है।

कोल्ब ने चार अधिगम शैलियों का उल्लेख किया है—

1. **विचलन (CE/RO)**: संवेदनशील एवं कल्पनाशील शिक्षार्थी, जो विभिन्न दृष्टिकोणों से स्थितियों को देखते हैं।

2. **आत्मसात (AC/RO)**: तार्किक एवं वैचारिक अभिगम अपनाने वाले, जो सिद्धांतों और संरचित व्याख्या को महत्व देते हैं।

3. **अभिसरण (AC/AE)**: व्यावहारिक समस्या-समाधान में दक्ष, जो सिद्धांतों का प्रयोगात्मक उपयोग करते हैं।

4. **समायोजन (CE/AE)**: अनुभव-आधारित एवं अंतर्ज्ञान पर आधारित शैली, जिसमें क्रियात्मकता और नई चुनौतियों को अपनाने की प्रवृत्ति होती है।

इस प्रकार, कोल्ब का सिद्धांत अधिगम को अनुभव, चिंतन, संज्ञान और क्रिया के समन्वित रूप में व्याख्यायित करता है।

पूर्ववर्ती अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि संवेगात्मक बुद्धि का शैक्षिक उपलब्धि, तनाव एवं समायोजन से घनिष्ठ संबंध है (चौधरी, 2011; दत्ता, 2016)। साथ ही माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की अधिगम शैली में सार्थक भिन्नताएँ पाई जाती हैं

तथा यह उनकी शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती है (राधेश्याम, 2007; ज्ञान प्रकाश, 2011)। विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों में भी अधिगम शैली की वरीयताओं में अंतर देखा गया, यद्यपि उपलब्धि स्तर सदैव भिन्न नहीं होता (पटेल, 2015)।

अतः समग्रतः संवेगात्मक बुद्धि एवं अधिगम शैली दोनों ही शैक्षिक उपलब्धि के महत्वपूर्ण निर्धारक कारक के रूप में उभरते हैं।

उपर्युक्त संबंधित साहित्य के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि संवेगात्मक बुद्धि और अधिगम शैली से संबंधित अनेक अध्ययन हो चुके हैं लेकिन माध्यमिक स्तर के विविध संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन" नहीं हुआ है।

शब्दों की कार्यपरिभाषाएँ (Operational Definitions of Terms)

माध्यमिक स्तर से अभिप्राय शिक्षा के उस चरण से है जिसमें विद्यार्थी सामान्यतः कक्षा 9वीं और 10वीं में अध्ययनरत होते हैं।

संवेगात्मक बुद्धि वह क्षमता है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने और दूसरों के भावों को पहचानता, समझता, नियंत्रित करता और उपयुक्त रूप से व्यक्त करता है।

अधिगम शैली वह तरीका है जिसके माध्यम से कोई विद्यार्थी सबसे आसानी से और प्रभावी ढंग से सीखता है।

शोध विधि (Research Methodology)

1.**शोध की प्रकृति**-यह अध्ययन वर्णनात्मक प्रकृति का है।इसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विविध संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना है।

2.**शोध पद्धति**-इस अध्ययन में सर्वेक्षण पद्धतिका प्रयोग किया गया है।

3.**जनसंख्या** -अध्ययन की जनसंख्या में सभी माध्यमिक स्तर (कक्षा 10वीं) के विद्यार्थी शामिल किए गए हैं।

4.**नमूना-**अध्ययन में नमूना का चयन करने के लिए विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है तत्पश्चात गुच्छ विधि का प्रयोग करके न्यदर्शों का चयन किया गया है।

5.**उपकरण -**संवेगात्मक बुद्धि मापन हेतु — डॉ• अरुण कुमार सिंह,डॉ• श्रुति नारायण द्वारा निर्मित मानकीकृत संवेगात्मक बुद्धि प्रश्नावली, अधिगम शैली मापन हेतु — डॉ• करुणा शंकर मिश्रा द्वारा निर्मित अधिगम शैली अनुसूची का प्रयोग किया गया है।

6.**आँकड़ों का संग्रहण -**प्रश्नावली के माध्यम से विद्यार्थियों से डेटा एकत्र किया गया है।

7.**आँकड़ों का विश्लेषण-**एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics) जैसे माध्य, मानक विचलन, आदि तथा अनुमानात्मक सांख्यिकी (Inferential Statistics) जैसे प्रसरण विश्लेषण (Anova), 't' परीक्षण (t-test) आदि के माध्यम से किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण-

Objective -1 माध्यमिक स्तर के यूपी बोर्ड/ सीबीएसई बोर्ड, ग्रामीण /शहरी, छात्र/ छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।

Group	N	Mean	Median	Mode	SD	Min	Max	T value
CBSE B.	215	21.94	22.00	25	4.100	11	30	4.142
UP. B.	267	20.43	21.00	21	3.866	11	31	
MALE	250	20.88	21.00	21	4.033	11	31	1.286
FEMALE	232	21.35	21.00	25	4.040	11	29	
RURAL	233	21.16	21.00	21	3.908	11	30	.312
URBAN	249	21.05	21.00	21	4.165	11	31	

व्याख्या- सारणी से ज्ञात होता है कि CBSE बोर्ड के विद्यार्थियों का औसत भावनात्मक बुद्धिमत्ता स्कोर UP बोर्ड की तुलना में अधिक है तथा t-value (4.142) के आधार पर यह अंतर सांख्यिकीय रूप से सार्थक पाया गया, जो

शैक्षणिक वातावरण के प्रभाव की ओर संकेत करता है। इसके विपरीत लिंग तथा निवास स्थान (ग्रामीण-शहरी) के आधार पर प्राप्त अंतर t-मूल्यों (1.286 एवं 0.312) के अनुसार असार्थक पाए गए, जिससे स्पष्ट होता है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता इन कारकों पर निर्भर नहीं करती।

objective -2 माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच सक्रिय पुनरत्पादन (ER) अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना।

table 2-(a)-माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की सक्रिय पुनरूत्पादन (ER) अधिगम शैली।

	N	Mean	Median	Mode	SD	Min.	Max.	Range
High EI	43	24.81	25.00	22	3.893	17	23	6
Average EI	239	25.08	25.00	26	4.051	12	35	23
Low EI	200	23.34	23.50	23	4.122	7	32	25

व्याख्या- उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले विद्यार्थियों (N = 43) में अधिगम शैली संतुलित एवं स्थिर पाई गई, जिसका प्रमाण उनका औसत स्कोर (24.81) तथा न्यून मानक विचलन (3.893) है। औसत EI समूह (N = 239) का औसत स्कोर (25.08) सर्वाधिक है, जो उन्नत अधिगम स्तर को दर्शाता है, यद्यपि आंतरिक विविधता अपेक्षाकृत अधिक है। निम्न EI समूह (N = 200) का औसत (23.34) न्यूनतम तथा मानक विचलन अधिक (4.122) है, जो अधिगम शैली में अस्थिरता एवं कमजोरी को इंगित करता है। समग्रतः, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और अधिगम शैली के मध्य सकारात्मक संबंध स्पष्ट परिलक्षित होता है।

Table 2-(b)-उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की सक्रिय पुनरुत्पादन (ER)अधिगम शैली के तुलनात्मक अध्ययन हेतु प्रसरण विश्लेषण (ANOVA)

Source of	Sum of	df	Mean of	F	Sig.

variation	square		square		
Between group	342.332	2	171.16	10.349	>.001
Within group	7922.556	479	16.540		
Total	8264.888	481			

व्याख्या- सारणी के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सक्रिय पुनरूत्पादन अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर ज्ञात करने के लिए परिगणित एफ मान(F= 10.349) है जो .05 सार्थकता स्तर एवं (2,479) स्वतंत्रतांश पर सारणी मान से अधिक है अर्थात उच्च, औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सक्रिय पुनरूत्पादन अधिगम शैली की वरीयता में कम से कम एक समूह शेष समूह में से सार्थक अंतर अवश्य रखता है अतः शून्य परिकल्पना "माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की सक्रिय पुनरूत्पादन (ER) अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर नहीं है!".05 सार्थकता स्तर एवं 2,479 स्वतंत्रतांश (df) पर अस्वीकृति की जाती है।

Table 2-(c)-उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सक्रिय पुनरुत्पादन (ER) अधिगम शैली की वरीयता का तुलनात्मक अध्ययन।

Code	Code	Mean difference	Std.error	Sig.	Lower bound	Upper bound
1	2	-.266	.674	.925	--1.92	1.39
	3	1.479	.684	.097	-.20	3.16
2	1	.266	.674	.925	-1.39	1.92
	3	1.744	.390	<.001	.79	2.70
3	1	-1.479	.684	.097	-3.16	.20
	2	-1.744	.390	<.001	-2.70	-.79

व्याख्या- सारणी से स्पष्ट है कि उच्च-औसत तथा उच्च-निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक विद्यार्थियों की सक्रिय पुनरुत्पादन (ER) अधिगम शैली की वरीयता के माध्यों में .05 सार्थकता स्तर (df = 479) पर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया; अतः इन दोनों स्थितियों में शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।किन्तु औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि समूहों के मध्य .05 स्तर पर सार्थक अंतर प्राप्त हुआ, अतः इस स्थिति में शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

objective -3 माध्यमिक स्तर की उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच सक्रिय रचनात्मक (EC) अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना।

table 3-(a)-माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की सक्रियरचनात्मक (EC) अधिगम शैली।

	N	Mean	Median	Mode	SD	Min.	Max.	Range
High EI	43	25.58	25.00	23	4.861	14	35	21
Average EI	239	25.28	25.00	26	4.240	14	35	21
Low EI	200	22.71	23.00	21	4.679	7	33	26

व्याख्या- उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों (N = 43) का औसत (25.58) एवं मध्यांक (25.00) लगभग समान है, जिससे सक्रिय–रचनात्मक अधिगम शैली का संतुलित वितरण स्पष्ट होता है। यद्यपि मानक विचलन (4.861) एवं परास (21) यह संकेत देते हैं कि समूह में कुछ व्यक्तिगत भिन्नताएँ विद्यमान हैं। औसत संवेगात्मक बुद्धि समूह (N = 239) का औसत (25.28) एवं बहुलक (26) यह दर्शाते हैं कि अधिकांश विद्यार्थी इस अधिगम शैली को अपनाते हैं। मानक विचलन (4.240) मध्यम स्तर का है, जो नियंत्रित विविधता को सूचित करता है। निम्न संवेगात्मक बुद्धि समूह (N = 200) का औसत (22.71) तुलनात्मक रूप से न्यून है। उच्च मानक विचलन (4.679) एवं परास (26) से स्पष्ट है कि इस समूह में अधिगम शैली अधिक असमान एवं अस्थिर है।समग्रतः, संवेगात्मक बुद्धि के उच्च स्तर के साथ सक्रिय–रचनात्मक अधिगम शैली का स्तर अधिक संतुलित एवं सुदृढ़ परिलक्षित होता है।

Table 3-(b)-उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की सक्रिय रचनात्मक (EC) अधिगम शैली के तुलनात्मक अध्ययन हेतु प्रसरण विश्लेषण (ANOVA)

Source of variation	**Sum of square**	**df**	**Mean of square**	**F**	**Sig.**
Between group	805.203	2	402.602	20.030	<.001
Within group	9627.834	479	20.100		
Total	10433.037	481			

व्याख्या- सारणी के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सक्रिय रचनात्मक (EC) अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर ज्ञात करने के लिए परिगणित एफ मान(F=20.030) है जो.05 सार्थकता स्तर एवं (2,479) स्वतंत्रतांश पर सारणी मान से अधिक है अर्थात उच्च, औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सक्रिय रचनात्मक (EC) अधिगम शैली की वरीयता में कम से कम एक समूह शेष समूह में से सार्थक अंतर अवश्य रखता है अतः शून्य परिकल्पना "माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की सक्रिय रचनात्मक (EC) अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर नहीं है!".05 सार्थकता स्तर एवं 2,479 स्वतंत्रतांश (df) पर अस्वीकृति की जाती है।

Table 3-(c)-उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सक्रिय रचनात्मक (EC) अधिगम शैली की वरीयता का तुलनात्मक अध्ययन।

Code	Code	Mean difference	Std.error	Sig.	Lower bound	Upper bound
1	2	.305	.745	.919	-1.92	1.39
	3	2.876	.754	<.001	-.20	3.16

2	1	-.305	.743	.919	-1.39	1.92
	3	2.571	.430	<.001	.78	2.70
3	1	-2.876	.754	<.001	-3.16	.20
	2	-2.571	.430	<.001	-2.70	-.70

व्याख्या- सारणी से स्पष्ट है कि उच्च एवं औसत संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की सक्रिय–रचनात्मक (EC) अधिगम शैली के माध्यों में .05 सार्थकता स्तर (df = 479) पर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया; अतः इस स्थिति में शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। किन्तु उच्च–निम्न तथा औसत–निम्न संवेगात्मक बुद्धि समूहों के मध्य .05 स्तर पर सार्थक अंतर प्राप्त हुआ, अतः इन दोनों स्थितियों में शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

objective -4 माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच आकृतिक पुनरुत्पादन (FR) अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना।

table 4- (a)-माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की आकृतिक पुनरूत्पादन (FR) अधिगम शैली।

	N	Mean	Median	Mode	SD	Min.	Max.	Range
High EI	43	21.09	22.00	22	4.191	10	31	21
Average EI	239	21.26	22.00	24	4.568	8	31	23
Low EI	200	20.10	22.00	21	4.701	7	33	26

व्याख्या- उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों (N = 43) का औसत (21.09), मध्यांक (22) एवं बहुलक (22) लगभग समान हैं, जिससे आकृतिक पुनरुत्पादन अधिगम शैली का संतुलित वितरण स्पष्ट होता है। मानक विचलन (4.191) एवं परास (21) सीमित विविधता को दर्शाते हैं। औसत संवेगात्मक बुद्धि समूह (N = 239) का औसत (21.26) थोड़ा अधिक है तथा बहुलक (24) यह संकेत देता है कि अनेक विद्यार्थी अपेक्षाकृत उच्च स्तर प्रदर्शित करते हैं। मानक विचलन (4.568) से मध्यम स्तर की भिन्नताएँ परिलक्षित होती हैं। निम्न संवेगात्मक बुद्धि समूह (N = 200) का औसत (20.10) न्यूनतम है। उच्च मानक विचलन (4.701) एवं परास (26) से स्पष्ट है कि इस समूह में

अधिगम शैली अधिक असमान एवं अस्थिर है।समग्रतः, उच्च संवेगात्मक बुद्धि के साथ आकृतिक पुनरुत्पादन अधिगम शैली अपेक्षाकृत अधिक संतुलित पाई गई।

Table 4-(b)- उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकृतिक पुनरुत्पादन (FR)अधिगम शैली के तुलनात्मक अध्ययन हेतु प्रसरण विश्लेषण (ANOVA)

Source of variation	**Sum of square**	**df**	**Mean of square**	**F**	**Sig.**
Between group	150.503	2	75.252	3.568	.029
Within group	10101.059	479	21.088		
Total	10251.562	482			

व्याख्या- सारणी के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आकृतिक पुनरुत्पादन (FR) अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर ज्ञात करने के लिए परिगणित एफ मान(F=3.568)है जो .05 सार्थकता स्तर एवं (2,479) स्वतंत्रतांश पर सारणी मान से अधिक है अर्थात उच्च, औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आकृतिक पुनरुत्पादन (FR) अधिगम शैली की वरीयता में कम से कम एक समूह शेष समूह में से सार्थक अंतर अवश्य रखता है अतः शून्य परिकल्पना "माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की आकृतिक पुनरूत्पादन (FR) अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर नहीं है! ".05 सार्थकता स्तर एवं 2,479 स्वतंत्रतांश (df) पर अस्वीकृति की जाती है।

Table 4-(c)-उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आकृतिक पुनरुत्पादन (FR) अधिगम शैली की वरीयता का तुलनात्मक अध्ययन।

Code	Code	Mean difference	Std.error	Sig.	Lower bound	Upper bound
1	2	.162	.761	.978	-2.03	1.71
	3	.993	.772	.438	-.90	2.89
2	1	.162	.761	.978	-1.71	2.03
	3	1.155	.440	.033	.07	2.24

3	1	-.993	.772	.438	-2.89	.90
	2	-1.155	.440	.033	-2.24	.07

व्याख्या- सारणी से स्पष्ट है कि उच्च–औसत तथा उच्च–निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की आकृतिक पुनरुत्पादन (FR) अधिगम शैली के माध्यों में .05 सार्थकता स्तर ($df = 479$) पर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया; अतः इन दोनों स्थितियों में शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।किन्तु औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि समूहों के मध्य .05 स्तर पर सार्थक अंतर प्राप्त हुआ, इसलिए इस स्थिति में शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

objective -5 माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच आकृतिक रचनात्मक (FC) अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना।

table 5-(a)-माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की आकृतिक रचनात्मक (FC) अधिगम शैली।

	N	Mean	Median	Mode	SD	Min.	Max.	Range
High EI	43	23.65	24.00	24	5.061	13	35	22
Average EI	239	22.92	23.00	21	5.175	7	33	26
Low EI	200	21.39	22.00	24	4.956	7	34	27

व्याख्या- उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों ($N = 43$) का औसत (23.65), मध्यांक (24) एवं बहुलक (24) लगभग समान हैं, जिससे आकृतिक–रचनात्मक अधिगम शैली का संतुलित एवं स्थिर वितरण स्पष्ट होता है। सीमित मानक विचलन (5.061) अपेक्षाकृत कम विविधता को दर्शाता है। औसत संवेगात्मक बुद्धि समूह ($N = 239$) का औसत (22.92) थोड़ा कम है तथा मानक विचलन (5.175) से मध्यम स्तर की व्यक्तिगत भिन्नताएँ परिलक्षित होती हैं। निम्न संवेगात्मक बुद्धि समूह ($N = 200$) का औसत (21.39) न्यूनतम है, तथा अधिक परास (27) से अधिगम शैली में अस्थिरता स्पष्ट होती है।समग्रतः, संवेगात्मक बुद्धि के उच्च स्तर के साथ आकृतिक–रचनात्मक अधिगम शैली अधिक संतुलित सुदृढ़ पाई गई।

Table 5-(b)-उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों आकृतिक रचनात्मक (FC)अधिगम शैली के तुलनात्मक अध्ययन हेतु प्रसरण विश्लेषण (ANOVA)

Source of variation	Sum of square	df	Mean of square	F	Sig.
Between group	337.978	2	168.989	6.562	.002
Within group	12335.767	479	25.753		
Total	12673.745	481			

व्याख्या- सारणी के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आकृतिक रचनात्मक (FC) अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर ज्ञात करने के लिए परिगणित एफ मान(F=6.562) है जो .05 सार्थकता स्तर एवं (2,479) स्वतंत्रतांश पर सारणी मान से अधिक है अर्थात उच्च, औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आकृतिक रचनात्मक (FC) अधिगम शैली की वरीयता में कम से कम एक समूह शेष समूह में से सार्थक अंतर अवश्य रखता है अतः शून्य परिकल्पना "माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की आकृतिक रचनात्मक (FC) अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर नहीं है! ".05 सार्थकता स्तर एवं 2,479 स्वतंत्रतांश (df) पर अस्वीकृति की जाती है।

Table 5-(c)-उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आकृतिक रचनात्मक (FC) अधिगम शैली की वरीयता का तुलनात्मक अध्ययन।

Code	Code	Mean difference	Std.error	Sig	Lower bound	Upper bound
1	2	.726	.841	.689	-1.34	2.79
	3	2.2266	.853	.030	.17	4.36
2	1	-.726	.841	.689	-2.79	1.34
	3	1.540	.486	.007	.35	2.73
3	1	-2.266	.853	.030	-4.36	-.17

	2	-1.540	.486	.007	-2.73	-.35

व्याख्या- सारणी से स्पष्ट है कि उच्च–औसत तथा उच्च–निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की आकृतिक–रचनात्मक (FC) अधिगम शैली के माध्यों में .05 सार्थकता स्तर (df = 479) पर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया; अतः इन दोनों स्थितियों में शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।जबकि औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि समूहों के मध्य .05 स्तर पर सार्थक अंतर प्राप्त हुआ, इसलिए इस स्थिति में शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

objective -6 माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच मौखिक पुनरउत्पादन (VR) अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना।

table 6-(a)-माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की मौखिक पुनरूत्पादन (VR) अधिगम शैली।

	N	Mean	Median	Mode	SD	Min.	Max.	Range
High EI	43	25.60	25.00	29	4.701	17	35	18
Average EI	239	25.25	26.00	29	4.266	10	34	24
Low EI	200	23.16	23.00	23	4.620	7	33	26

व्याख्या- उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों (N = 43) का औसत (25.60) एवं मध्यांक (25) लगभग समान हैं, जिससे मौखिक पुनरुत्पादन अधिगम शैली का संतुलित वितरण स्पष्ट होता है। बहुलक (29) तथा अपेक्षाकृत कम मानक विचलन (4.701) यह संकेत देते हैं कि इनकी मौखिक अधिगम क्षमता स्थिर एवं सुसंगठित है।औसत संवेगात्मक बुद्धि समूह (N = 239) का औसत (25.25) उच्च समूह के निकट है तथा मध्यांक (26) से बेहतर प्रदर्शन की प्रवृत्ति परिलक्षित होती है। मानक विचलन (4.266) नियंत्रित विविधता को दर्शाता है। निम्न संवेगात्मक बुद्धि समूह (N = 200) का औसत (23.16) न्यूनतम है। उच्च मानक विचलन (4.620) एवं परास (26) से स्पष्ट है कि इस समूह में

मौखिक अधिगम शैली अपेक्षाकृत कमज़ोर एवं अधिक अस्थिर है। समग्रतः, उच्च संवेगात्मक बुद्धि के साथ मौखिक पुनरुत्पादन अधिगम शैली अधिक सुदृढ़ एवं संतुलित पाई गई।

Table 6-(b)-उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की मौखिक पुनरुत्पादन (VR) अधिगम शैली के तुलनात्मक अध्ययन हेतु प्रसरण विश्लेषण (ANOVA)

Source of variation	Sum of square	df	Mean of square	F	Sig.
Between group	542.961	2	271.458	13.678	<.001
Within group	9506.096	479	19.846		
Total	10049.012	481			

व्याख्या- सारणी के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की मौखिक पुनरुत्पादन (VR) अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर ज्ञात करने के लिए परिगणित एफ मान(F=13.678) है जो .05 सार्थकता स्तर एवं (2,479) स्वतंत्रतांश पर सारणी मान से अधिक है अर्थात उच्च, औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की मौखिक पुनरुत्पादन (VR) अधिगम शैली की वरीयता में कम से कम एक समूह शेष समूह में से सार्थक अंतर अवश्य रखता है अतः शून्य परिकल्पना "माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की मौखिक पुनरुत्पादन (VR) अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर नहीं है! ".05 सार्थकता स्तर एवं 2,479 स्वतंत्रतांश (df) पर अस्वीकृति की जाती है।

Table 6-(c)-उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की मौखिक पुनरुत्पादन (VR) अधिगम शैली की वरीयता का तुलनात्मक अध्ययन।

Code	Code	Mean difference	Std.error	Sig.	Lower bound	Upper bound
1	2	.354	.738	.892	-1.46	2.17

	3	2.445	.749	.005	.61	4.28
2	1	-.354	.738	.889	-2.17	1.48
	3	2.091	.427	<.001	1.04	3.14
3	1	-2.445	.749	.005	-4.28	-.61
	2	-2.091	.427	<.001	-3.14	-1.04

व्याख्या- सारणी से स्पष्ट है कि उच्च–औसत तथा उच्च–निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की मौखिक पुनरुत्पादन (VR) अधिगम शैली के माध्यों में .05 सार्थकता स्तर (df = 479) पर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया; अतः इन दोनों स्थितियों में शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। जबकि औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि समूहों के मध्य .05 स्तर पर सार्थक अंतर प्राप्त हुआ, इसलिए इस स्थिति में शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

objective -7 माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के बीच मौखिक रचनात्मक (VC) अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन करना।

table 7-(a)-माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की मौखिक रचनात्मक (VC) अधिगम शैली।

	N	Mean	Median	Mode	SD	Min.	Max.	Range
High EI	43	26.23	27.00	22	4.064	18	33	15
Average EI	239	25.87	26.00	27	4.192	13	35	22
Low EI	200	23.28	23.50	23	4.995	13	33	20

व्याख्या- उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों (N = 43) का औसत (26.23) एवं मध्यांक (27) उच्च स्तर को दर्शाते हैं, तथा कम मानक विचलन (4.064) से मौखिक–रचनात्मक अधिगम शैली में स्थिरता एवं एकरूपता स्पष्ट होती है। औसत संवेगात्मक बुद्धि समूह (N = 239) का औसत (25.87) भी संतोषजनक है तथा बहुलक (27) से अच्छे प्रदर्शन की प्रवृत्ति परिलक्षित होती है, यद्यपि कुछ व्यक्तिगत भिन्नताएँ विद्यमान हैं। निम्न संवेगात्मक बुद्धि समूह (N =

200) का औसत (23.28) न्यूनतम है तथा अधिक मानक विचलन (4.995) से अधिगम शैली में अस्थिरता स्पष्ट होती है।समग्रतः, उच्च संवेगात्मक बुद्धि के साथ मौखिक–रचनात्मक अधिगम शैली अधिक सुदृढ़ एवं स्थिर पाई गई।

Table 7-(b)- उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की मौखिक रचनात्मक (VC) अधिगम शैली के तुलनात्मक अध्ययन हेतु प्रसरण विश्लेषण (ANOVA)

Source of variation	Sum of square	df	Mean of square	F	Sig.
Between group	775.938	2	387.969	19.655	<.001
Within group	9455.185	479	19.739		
Total	10231.122	281			

व्याख्या- सारणी के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की मौखिक रचनात्मक (VC) अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर ज्ञात करने के लिए परिगणित एफ मान(F=19.655) है जो .05 सार्थकता स्तर एवं (2,479) स्वतंत्रतांश पर सारणी मान से अधिक है अर्थात उच्च, औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की मौखिक रचनात्मक (VC) अधिगम शैली की वरीयता में कम से कम एक समूह शेष समूह में से सार्थक अंतर अवश्य रखता है अतः शून्य परिकल्पना "माध्यमिक स्तर के उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की मौखिक रचनात्मक (VC) अधिगम शैली की वरीयता में सार्थक अंतर नहीं है! ".05 सार्थकता स्तर एवं 2,479 स्वतंत्रतांश पर अस्वीकृति की जाती है।

Table 7-(c)-उच्च औसत एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की मौखिक रचनात्मक (VC) अधिगम शैली की वरीयता का तुलनात्मक अध्ययन।

Code	Code	Mean	Std.error	Sig.	Lower	Upper

		difference			bound	bound
1	2	.366	.736	.883	-1.44	2.17
	3	2.878	.747	<.001	1.04	4.71
2	1	-.366	.736	.883	-2.17	1.44
	3	2.511	.426	<.001	1.47	3.56
3	1	-2.878	.747	<.001	-4.71	-1.04
	2	-2.511	.426	<.001	-3.56	-1.47

व्याख्या- सारणी से स्पष्ट है कि उच्च एवं औसत संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की मौखिक–रचनात्मक (VC) अधिगम शैली के माध्यों में .05 सार्थकता स्तर (df = 479) पर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया; अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। जबकि उच्च–निम्न तथा औसत–निम्न संवेगात्मक बुद्धि समूहों के मध्य .05 स्तर पर सार्थक अंतर प्राप्त हुआ, इसलिए इन स्थितियों में शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

Conclusion (निष्कर्ष)

अध्ययन के निष्कर्षों से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के भिन्न संवेगात्मक बुद्धि स्तर वाले विद्यार्थियों की अधिगम शैलियों में सार्थक अंतर पाया जाता है, जो उनकी भावनात्मक क्षमता के अनुरूप परिवर्तित होता है। इससे यह सिद्ध होता है कि संवेगात्मक बुद्धि केवल भावनाओं के नियंत्रण तक सीमित नहीं, बल्कि अधिगम की प्रवृत्ति, सहभागिता और शैक्षणिक प्रगति को भी प्रभावित करती है। अतः शिक्षकों एवं पाठ्यचर्या-निर्माताओं को शिक्षण प्रक्रिया में संवेगात्मक बुद्धि के विकास को समाहित करना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों की अधिगम गुणवत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि दोनों में सुधार संभव हो सके।

शोधका परिसीमन-

1.अध्ययनको जौनपुर जिले तक सीमित रखा गया है।

2.अध्ययन के लिए माध्यमिक स्तर की कक्षा 10 के विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में चुना गया है।

3.अध्ययन को माध्यमिक स्तर, संवेगात्मक बुद्धि, अधिगम शैली चरों तक सीमित रखा गया है।

4.अध्ययन में सक्रिय पुनरूत्पादन (ER) सक्रिय रचनात्मक (EC) आकृतिक पुनरूत्पादन (FR) आकृतिक रचनात्मक (FC) मौखिक पुनरूत्पादन (VR) मौखिक रचनात्मक (VC) अधिगम शैली का अध्ययन किया गया है।

References (संदर्भ)

- गोलेमैन, डी. (1995). *इमोशनल इंटेलिजेंस: व्हाय इट कैन मैटर मोर दैन आईक्यू*. बैंटम बुक्स.
- मेयर, जे. डी., सालोवे, पी., एवं कारूसो, डी. आर. (2004). *इमोशनल इंटेलिजेंस: थ्योरी, फाइंडिंग्स एंड इम्प्लिकेशंस*. *साइकोलॉजिकल इन्क्वायरी*.
- कोलब, डी. ए. (1984). *एक्सपीरिएंशियल लर्निंग: एक्सपीरिएंस ऐज़ द सोर्स ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट*. प्रेंटिस-हॉल.
- शुट्टे, एन. एस., एवं अन्य. (1998). *डेवलपमेंट एंड वैलिडेशन ऑफ अ मेज़र ऑफ इमोशनल इंटेलिजेंस*. *पर्सनैलिटी एंड इंडिविजुअल डिफरेंसेस*.
- स्टर्नबर्ग, आर. जे. (1997). *थिंकिंग स्टाइल्स*. कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस.
- सालोवे, पी., एवं मेयर, जे. डी. (1990). *इमोशनल इंटेलिजेंस. इमैजिनेशन, कॉग्निशन एंड पर्सनैलिटी*.
- चौधरी, दुर्गा. (2011). *इमोशनल इंटेलिजेंस का कॉलेज स्टूडेंट्स इन रिलेशन टू देयर एकेडमिक स्टेटस एंड अचीवमेंट* (शिक्षा शास्त्र में पीएचडी उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रबंध, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता).
- दत्ता, प्रियंका. (2016b). *सेल्फ कॉन्सेप्ट, एडजस्टमेंट पैटर्न एंड इमोशनल इंटेलिजेंस ऑफ विजुअली इम्पेयर्ड एडोलसेंट्स* (शिक्षा शास्त्र में पीएचडी उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रबंध, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता).

- प्रकाश, ज्ञान. (2011). *माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के अधिगम शैली, आकांक्षा स्तर एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन* (शिक्षा शास्त्र विषय में पीएचडी उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रबंध, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय).

- सिंह, संध्या. (2012). *जौनपुर जनपद में हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम में अध्ययनरत विद्यार्थियों के समायोजन, जीवन मूल्य एवं अधिगम शैली का तुलनात्मक अध्ययन* (शिक्षा शास्त्र विषय में पीएचडी उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रबंध, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय).

- राधेश्याम. (2007). *माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली, सृजनात्मकता एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन* (शिक्षा शास्त्र विषय में पीएचडी उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रबंध, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर).

- पटेल, कुसुम लता. (2015). *प्रेफर्ड लर्निंग स्टाइल एंड एकेडमिक अचीवमेंट ऑफ चिल्ड्रन विद हियरिंग इम्पेयरमेंट* (शिक्षा शास्त्र में पीएचडी उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रबंध, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी).